ओ३म्

He is good and wise who always speaks the truth, acts on the dictates of virtue, and tries to make others good and happy.

वह अच्छा और बुद्धिमान है जो हमेशा सच बोलता है, धर्म के अनुसार काम करता है और दूसरों को उत्तम और प्रसन्न बनाने का प्रयास करता है.

A Presentation by Rishika Gupta

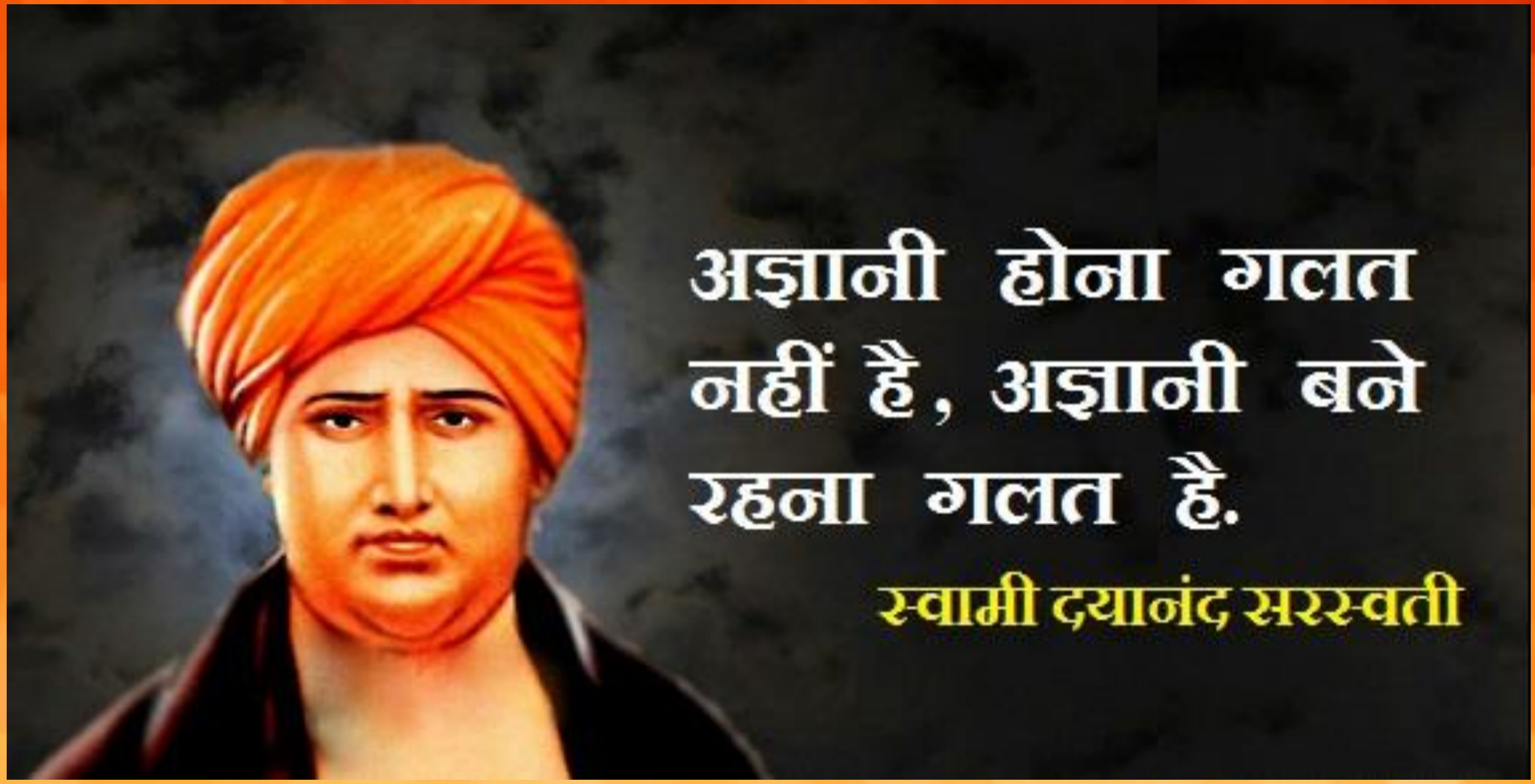
अज्ञानी होना गलत
नहीं है, अज्ञानी बने
रहना गलत है.
स्वामी दयानंद सरस्वती

दुनिया को अपना सर्वश्रेष्ठ दीजिये और आपके पास सर्वश्रेष्ठ लौटकर आएगा.

स्वामी दयानंद सरस्वती

सत्य को अपना ध्येय बनाये और महर्षि दयानंद को अपना आदर्श |

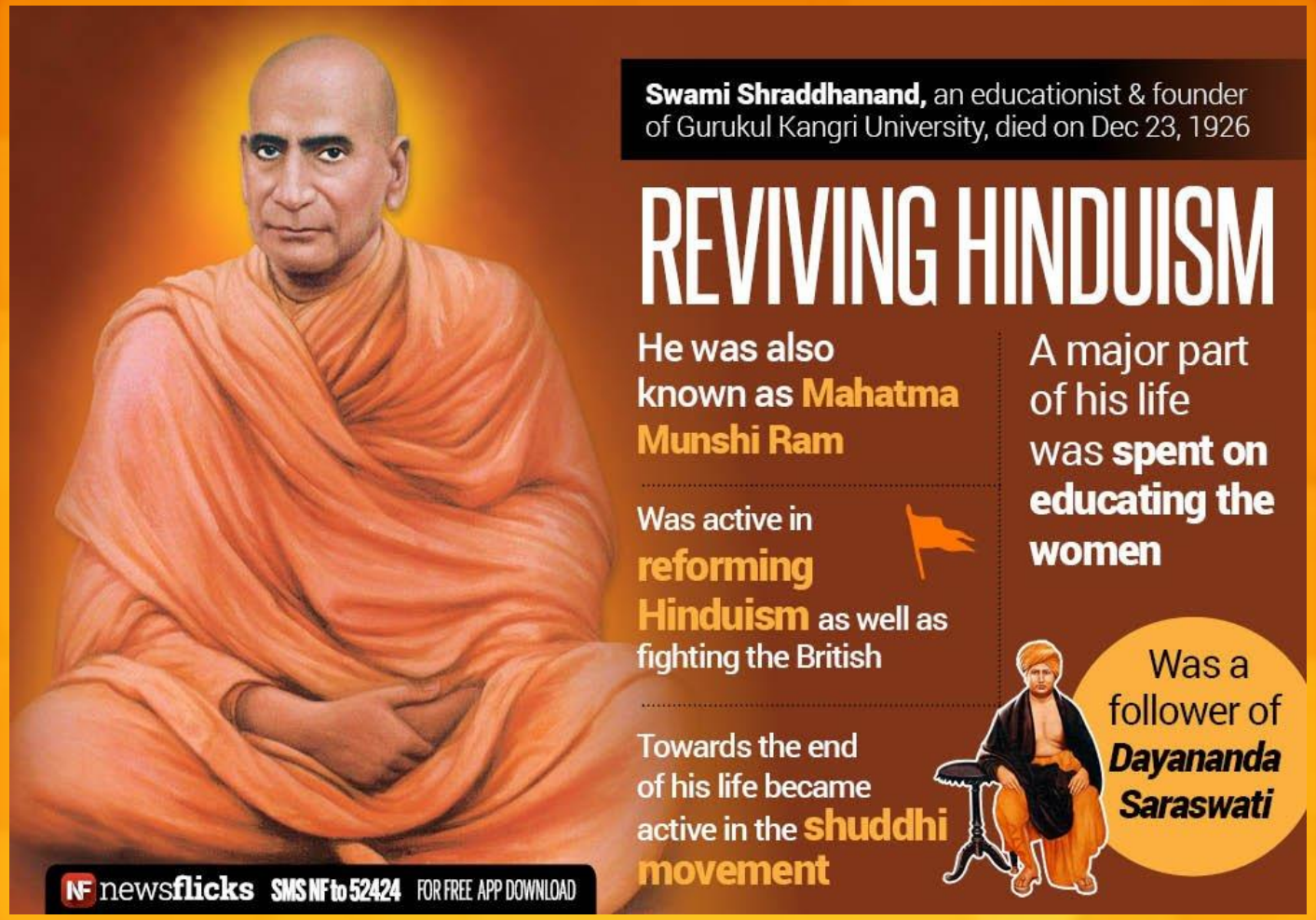

स्वामी श्रद्धानन्द

ए.ओ.ह्यूम

महर्षि दयानंद इतनी बड़ी हस्ती हैं के मैं उनके पाँव के जूते के फीते बाधने लायक भी नहीं

दादा भाई नैरो जी

मुझे स्वाधीनता संग्राम मे सर्वाधिक प्रेरणा महर्षि के ग्रंथो से मिली है |

सारे स्वतन्त्रता सेनानियोँ का एक मंदिर खडा किया जाय तो उसमेँ महर्षि दयानन्द मंदिर कीचोटी पर सबसे ऊपर होगा।

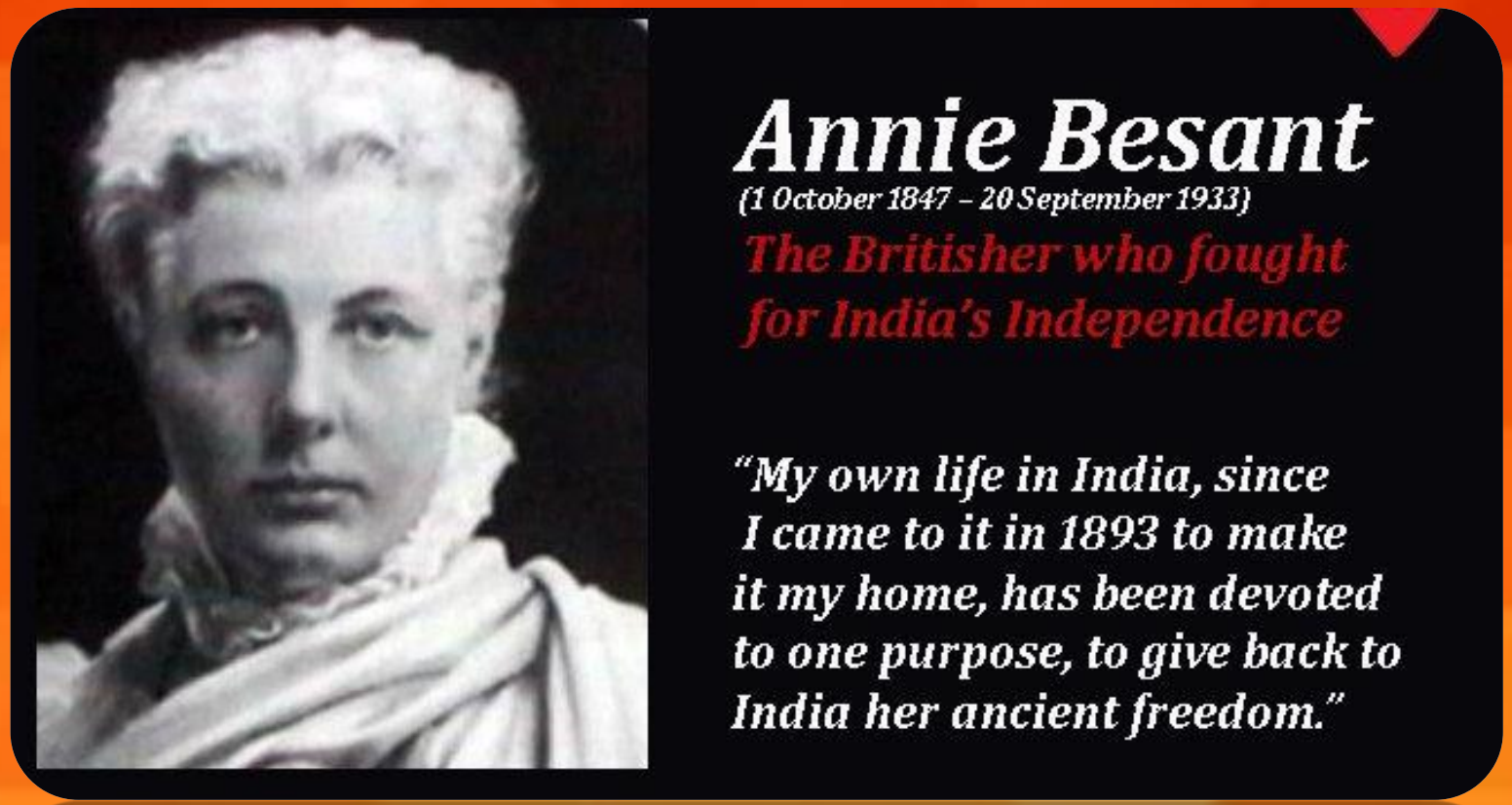

श्रीमती एनी बेसेन्ट

मैक्स मूलर

दयानन्द एक विद्वान थे। उनके धर्म नियमोँ की नीव ईश्वर कृप वेदोँ पर थी। उन्हे वेद कण्ठस्थ थे उनके मन और मस्तिक मेँ वेदोँ ने घर किया हुआ था। वर्तमान समय मेँ संस्कृत व्याकरण का एक ही बडा विद्वान साहित्य का पुतला, वेदोँ के महत्व को समझनेवाला अत्यन्त प्रबल नैयायिक और विचारक यदि भारत मेँ हुआ है तो वह महर्षि दयानन्द सरस्वती ही था।

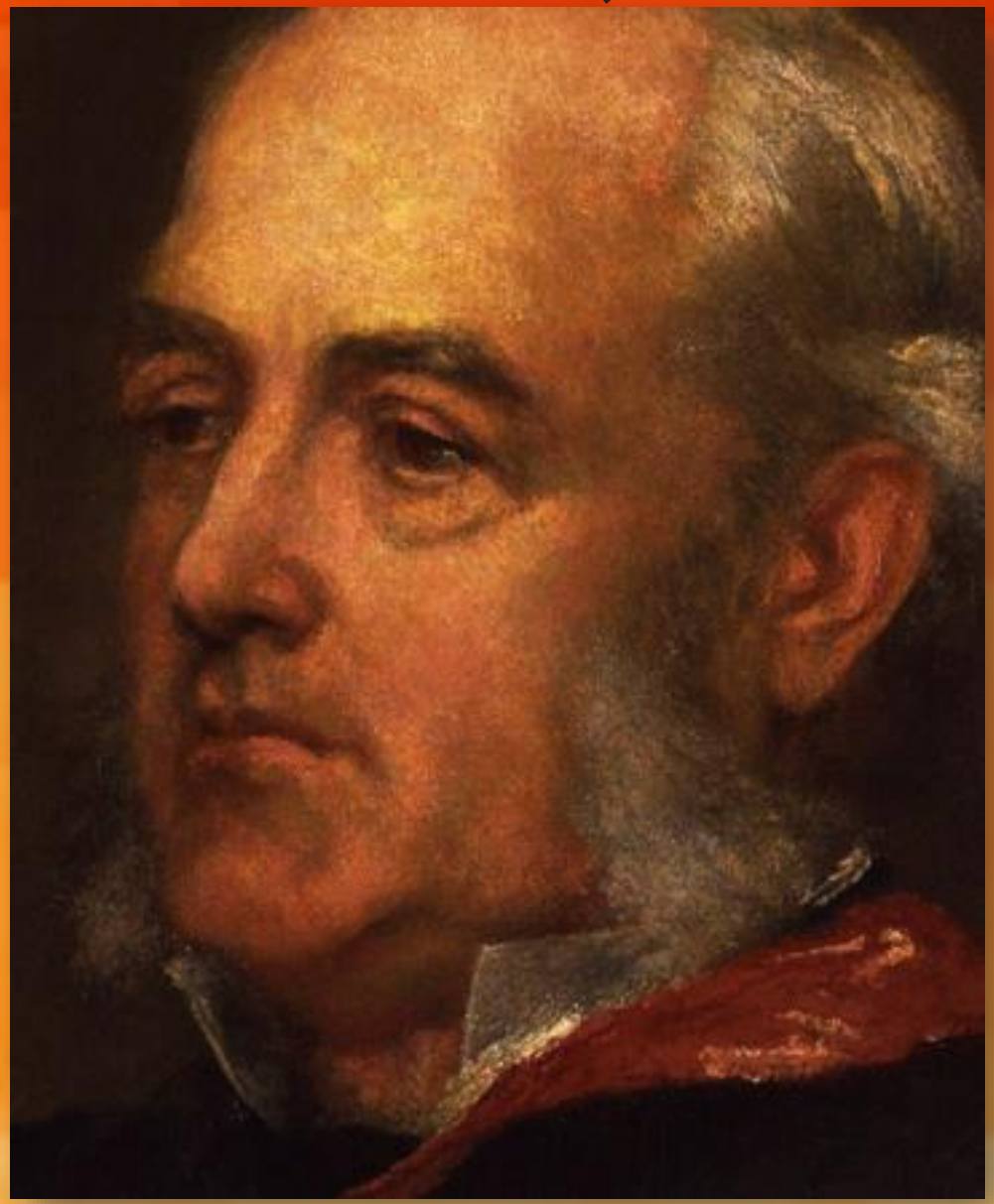

पंजाब केसरी लाला लाजपत राय

स्वामी दयानन्द मेरे गुरु है मैने संसार में केवल उन्ही को गुरु माना है वे मेरे धर्म के पिता है और आर्यसमाज मेरी धर्म की माता है, इन दोनो की गोदी मे मै पला हूँ, मुझे इस बात का गर्व है कि मेरे गुरु ने मुझे स्वतन्त्रता का पाठ पढ़ाया ।

स्वराज्य और स्वदेशी का सर्वप्रथम मन्त्र प्रदान करने वाले जाज्वल्यमान नक्षत्र थे “दयानंद”

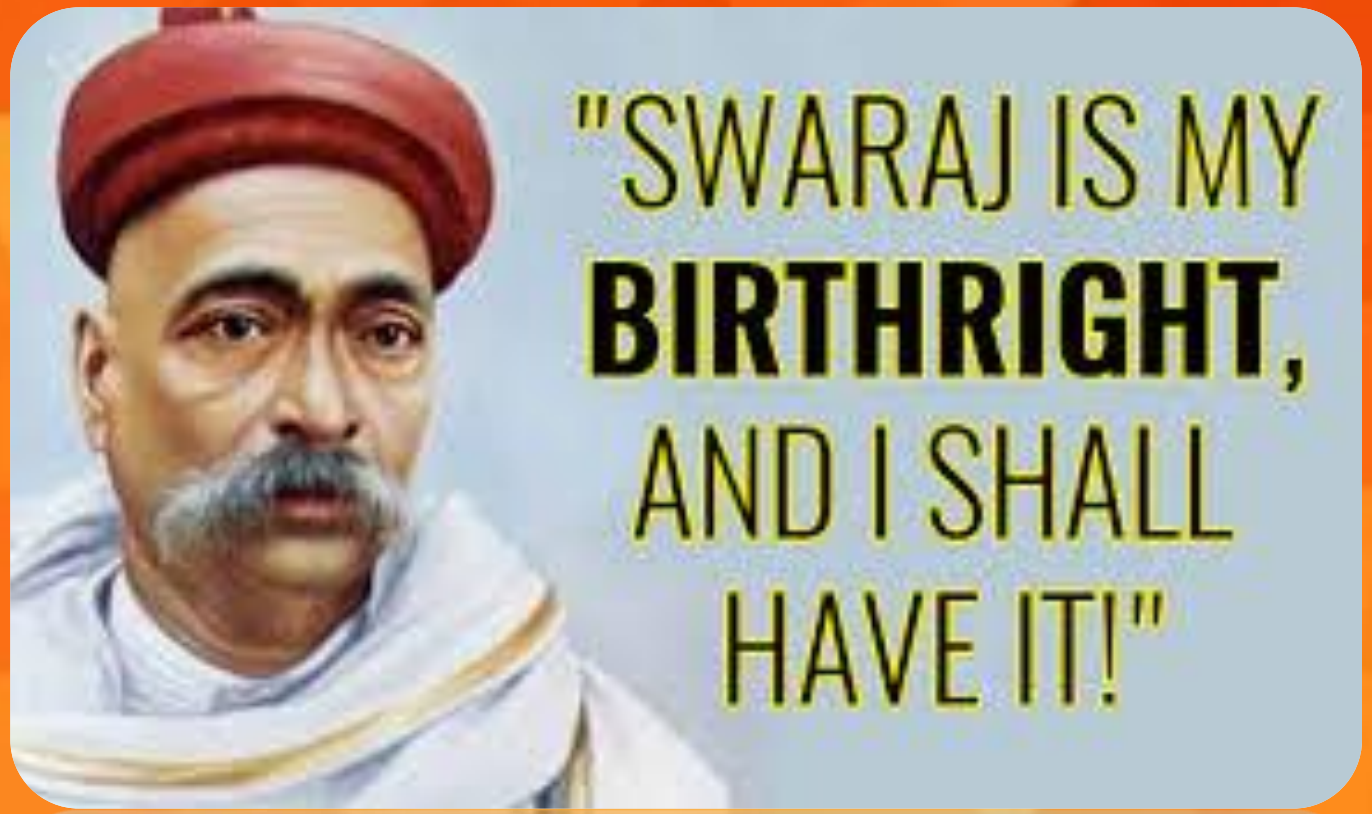

लोक मान्य तिलक

नेता जी सुभाष चन्द्र बोस

आधुनिक भारत के आदर्दनिर्मता तो दयानंद ही थे | **महर्षि दयानन्द सरस्वती उन महापुरूषो मे से थे जिन्होनें स्वराज्य की प्रथम घोषणा करते हुए, आधुनिक भारत का निर्माण किया** | हिन्दू समाज का उद्धार करने में आर्यसमाज का बहुत बड़ा हाथ है

सैयद अहमद खां

स्वामी जी ऐसे विद्वान और श्रेष्ठ व्यक्ति थे, जिनका अन्य मतावलम्बी भी सम्मान करते थे

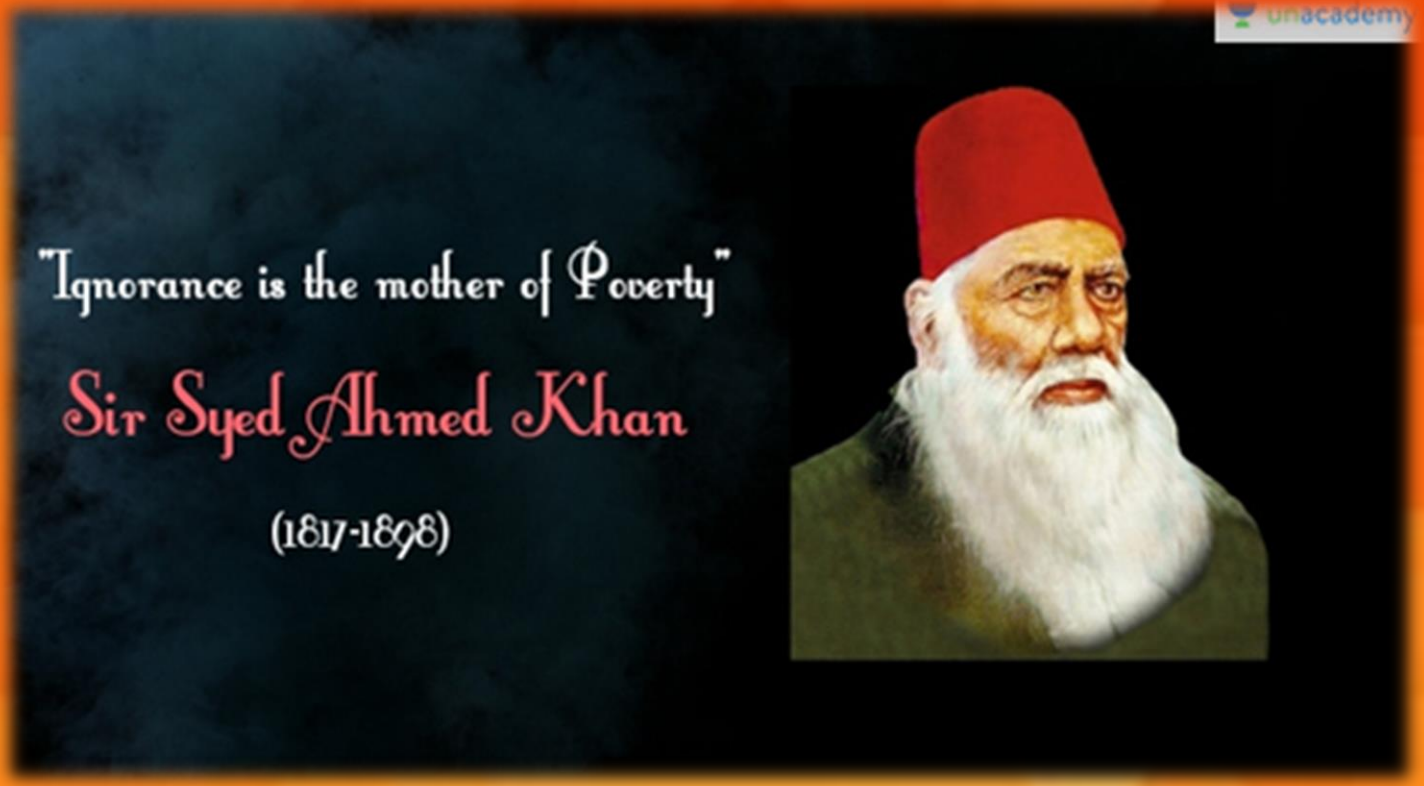

महर्षि दयानंद स्वाधीनता संग्राम के सर्वप्रथम योद्धा थे

विनायक दामोदर सावरकर

28 मई 1883-26 फरवरी 1966

काल स्वयं मुझ से डरा है,
मैं काल से नहीं,
कालेपानी का कालकूट पीकर
काल से कराल स्तभों को झकझोर कर,
मैं बार–बार लौट आया हूँ,
और फिर भी मैं जीवित हूँ।
हारी मृत्यु है, मैं नहीं.....

वीर सावरकर

स्वामी दयानंद के राष्ट्र प्रेम के लिए उनके द्वारा उठाये गए कष्टों, उनकी हिम्मत, ब्रह्मचर्य जीवन और अन्य कई गुणों के कारण मुझको उनके प्रति आदर हैं | उनका जीवन हमारे लिए आदर्श बन जाता हैं | भारतीयों ने उनको विष पिलाया और वे भारत को अमृत पीला गए|

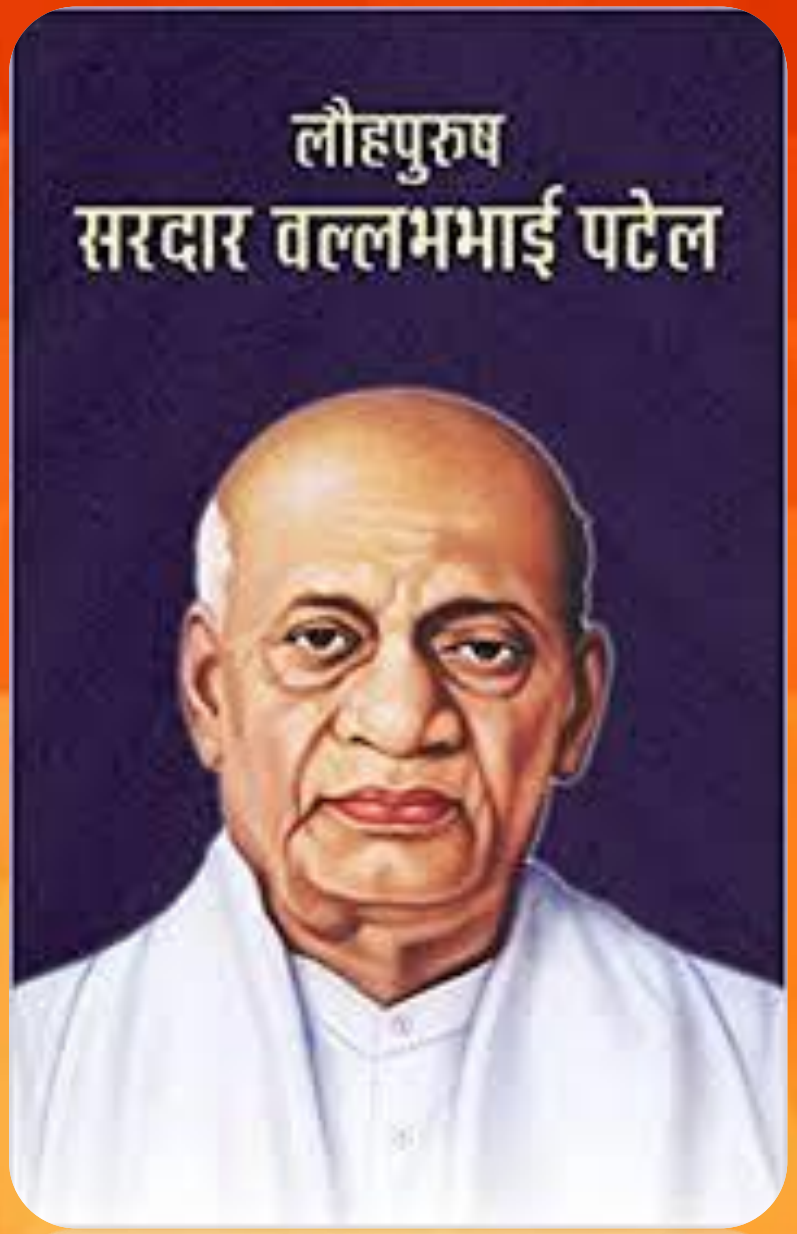

सरदार पटेल

दयानंद दिव्य ज्ञान का सच्चा सैनिक था, विश्व को प्रभु कि शरणों में लाने वाला योद्धा और मनुष्य व संस्थाओ का शिल्पी तथा प्रकृति द्वारा आत्माओ के मार्ग से उपस्थितकि जाने वाली बाधाओं का वीर विजेता था |

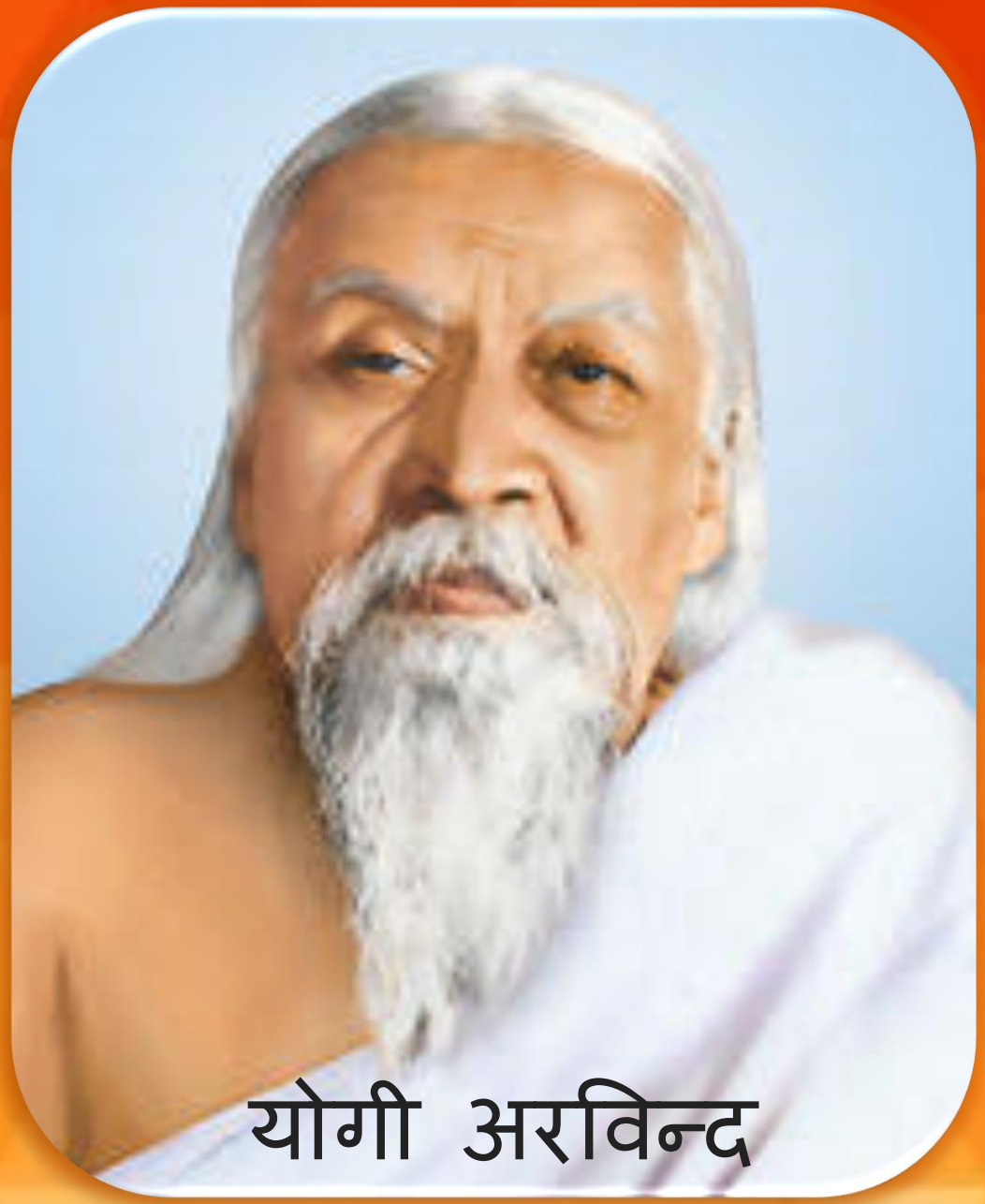

रवीन्द्रनाथ टैगोर

मेरा सादर प्रणाम है उस महान गुरु दयानन्द को जिनकेमन ने भारतीय जीवन के सब (राजनैतिक, सामाजिक तथा धार्मिक) अंगो को प्रदीप्त कर दिया। मै आधुनिक भारत के मार्गदर्शक उस दयानन्द को आदर पूर्वक श्रद्धांजलि देता हुँ।

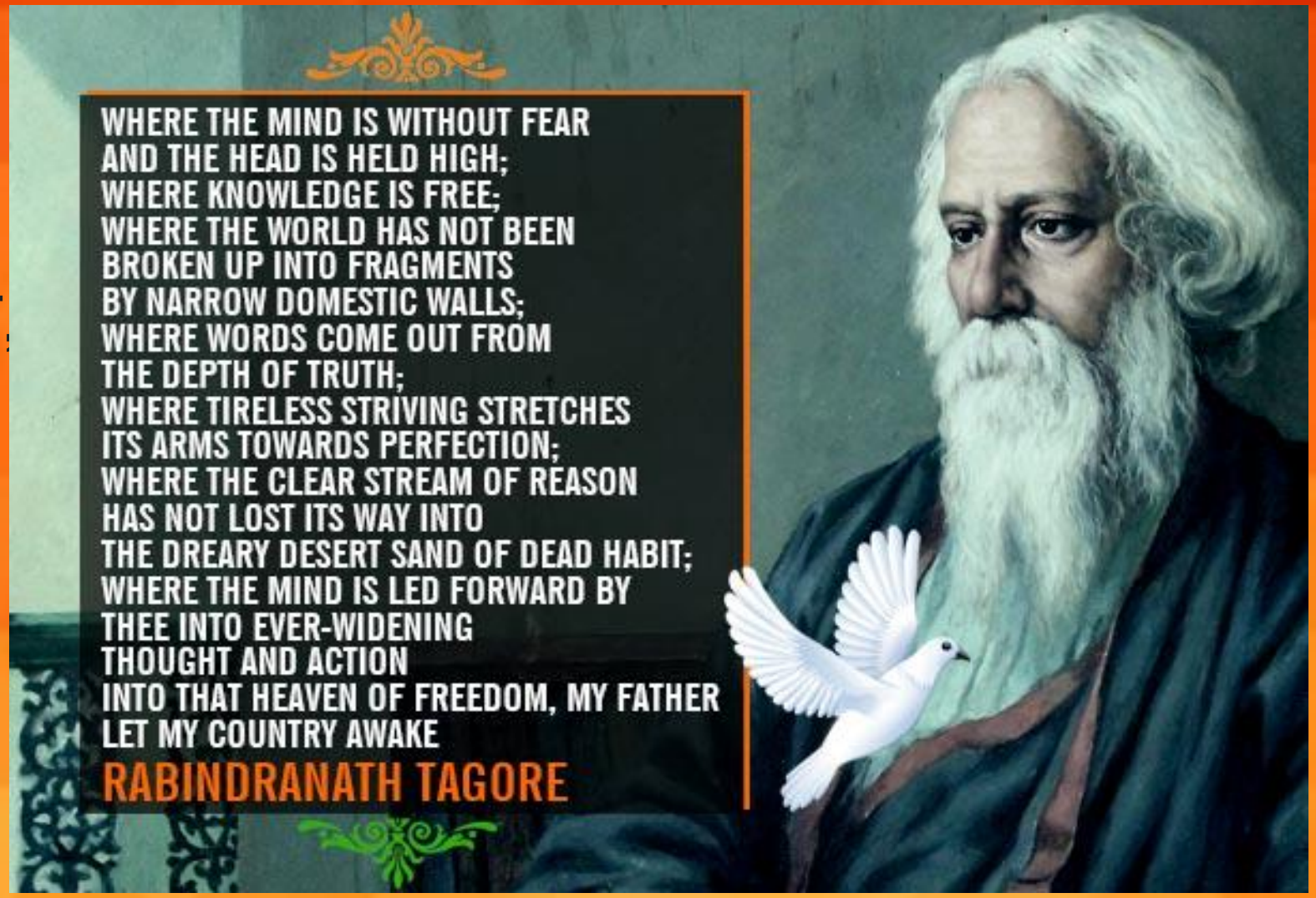

अमर क्रान्तिकारी भगत सिँह

डी॰ए॰बी॰ यानी दयानन्द एंग्लो वैदिक स्कूल में हम सब भाइयों को सत्यार्थ प्रकाश पढने का अवसर मिला। हमारे विचारों और मानसिक उन्नति के निर्माण मे सबसे बडा हाथ आर्य समाज का ही है। हम सब इसके लिए आर्यसमाज के ऋणी है।

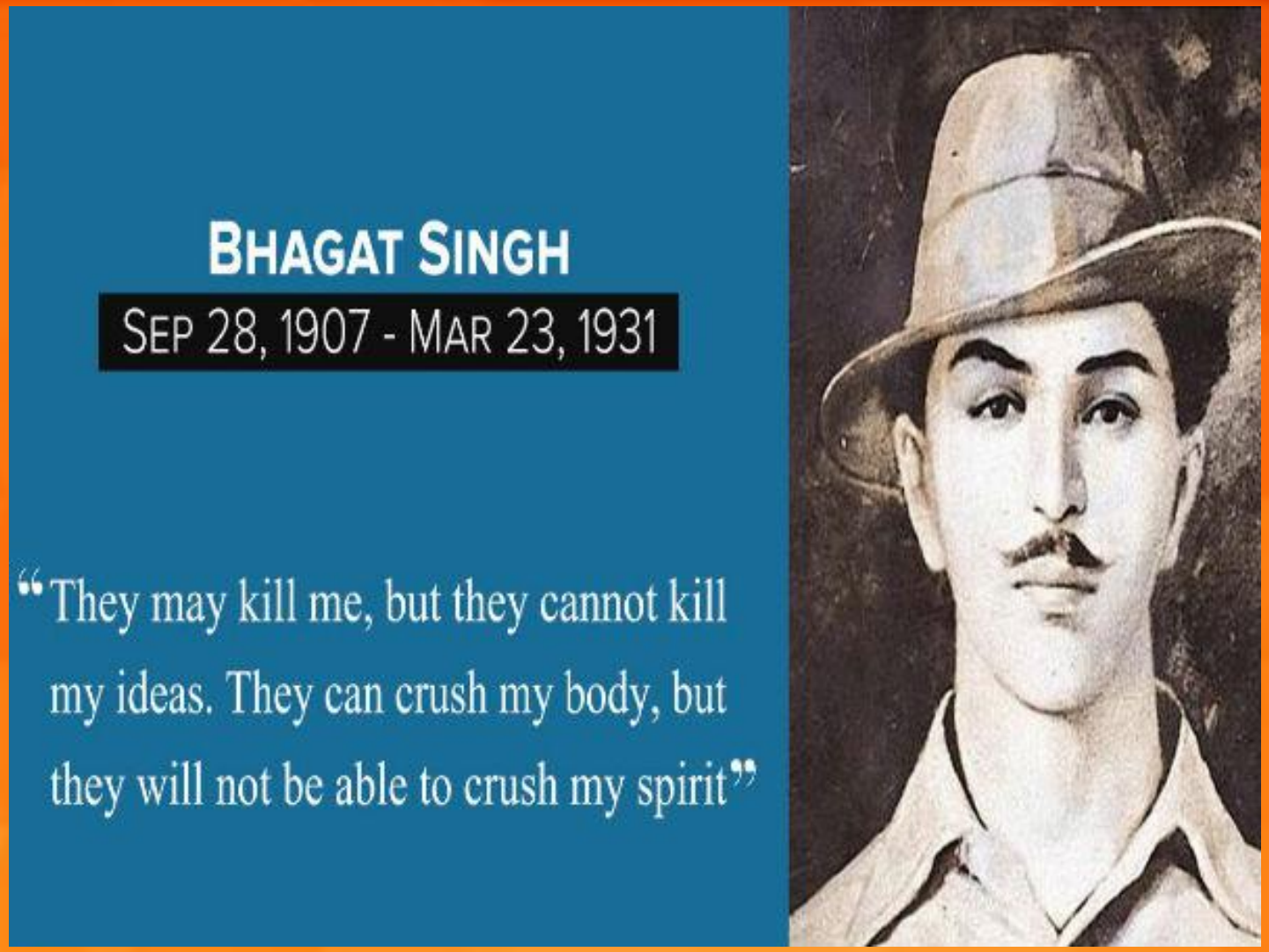

पंडित गुरुदत्त विद्यार्थी

सत्यार्थ प्रकाश का एक-एक पृष्ठ एक-एक हजार का हो जाय तब भी मै अपनी सारी सम्पत्ति बेचकर खरीदुंगा उन्होने सत्यार्थ प्रकाश को चौदह नालो का तमंचा बताया।

लाल बहादुर शास्त्री

राजकीय क्षेत्र मे अभूतपूर्व कार्य करने वाले महर्षि दयानंदमहान राष्ट्रनायक और क्रन्तिकारी महापुरुष थे |

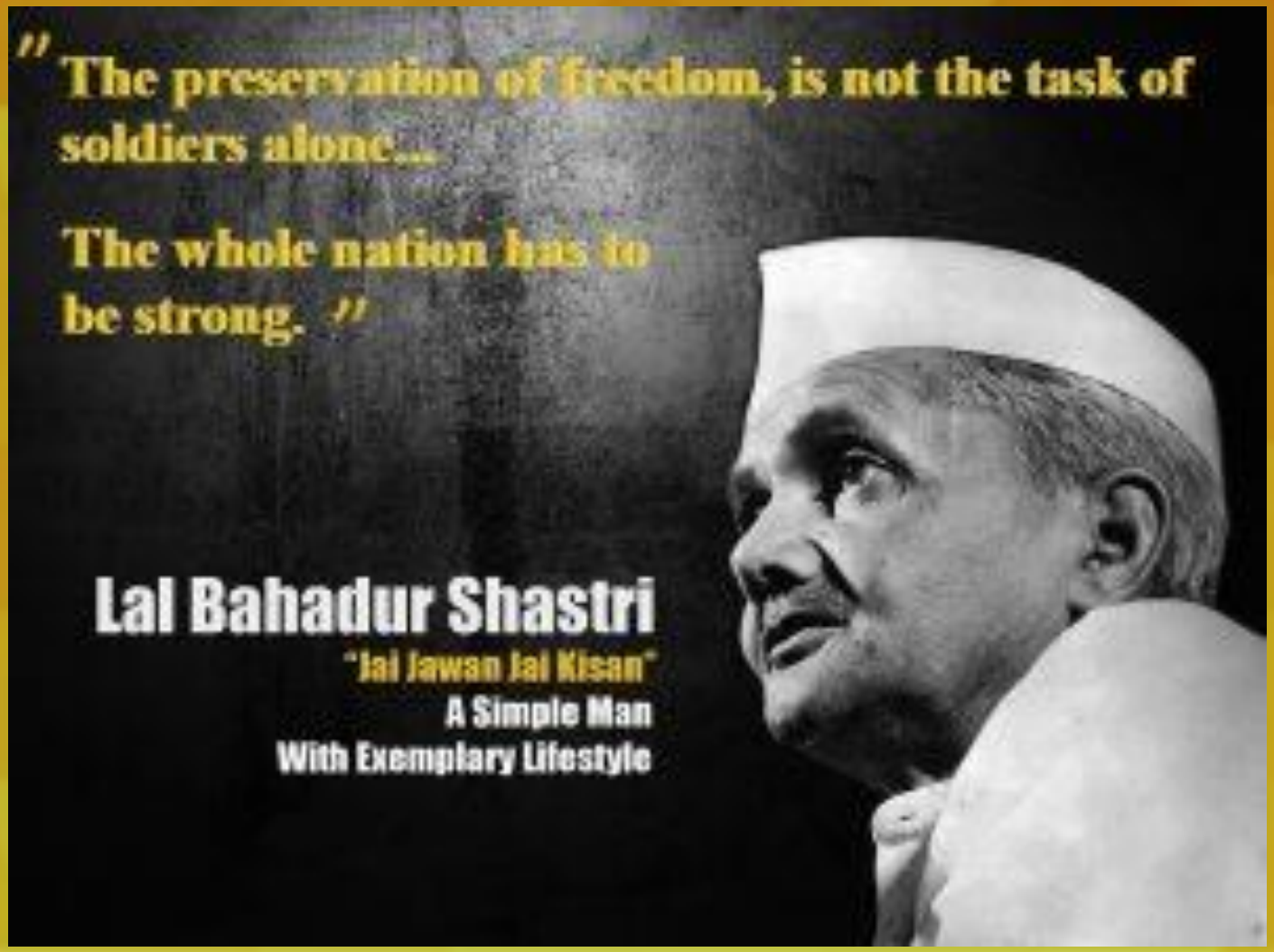

पंडित मदन मोहन मालवीय

आर्यसमाज दौडता रहेगा तो हिन्दू समाज चलता रहेगा। आर्यसमाज चलता रहेगा, तो हिन्दूसमाज बैठ जायेगा। आर्यसमाजबैठ जायेगा तो हिन्दूसमाज सो जायेगा। और यदि आर्यसमाज सो गया तो हिन्दूसमाजमर जायेगा।

स्वतंत्रता सेनानी,
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के
संस्थापक 'महामना'

अगर आर्यसमाज न होता तो भारत की क्या दशा हुई होती इसकी कल्पना करना भी भयावह है। आर्यसमाज का जिस समय काम शुरु हुआ था कांग्रेस का कहीं पता ही नहीं था । स्वराज्य का प्रथम उद्धोष महर्षि दयानन्द ने ही किया था यह आर्यसमाज ही था जिसने भारतीय समाज की पटरी से उतरी गाड़ी को फिर से पटरी पर लाने का कार्य किया। अगर आर्यसमाज न होता तो भारत-भारत न होता।

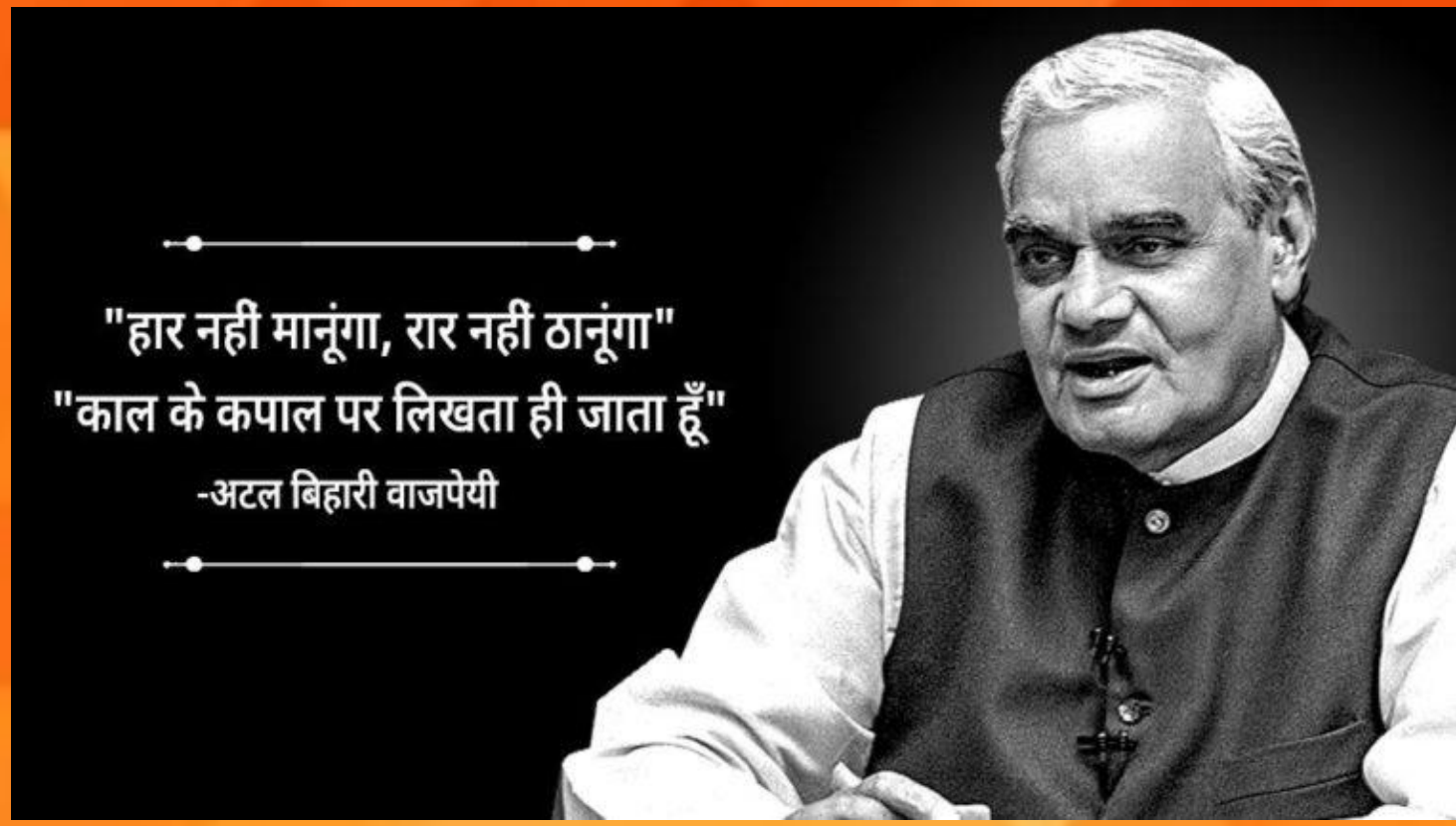

अटल बिहारी बाजपेयी

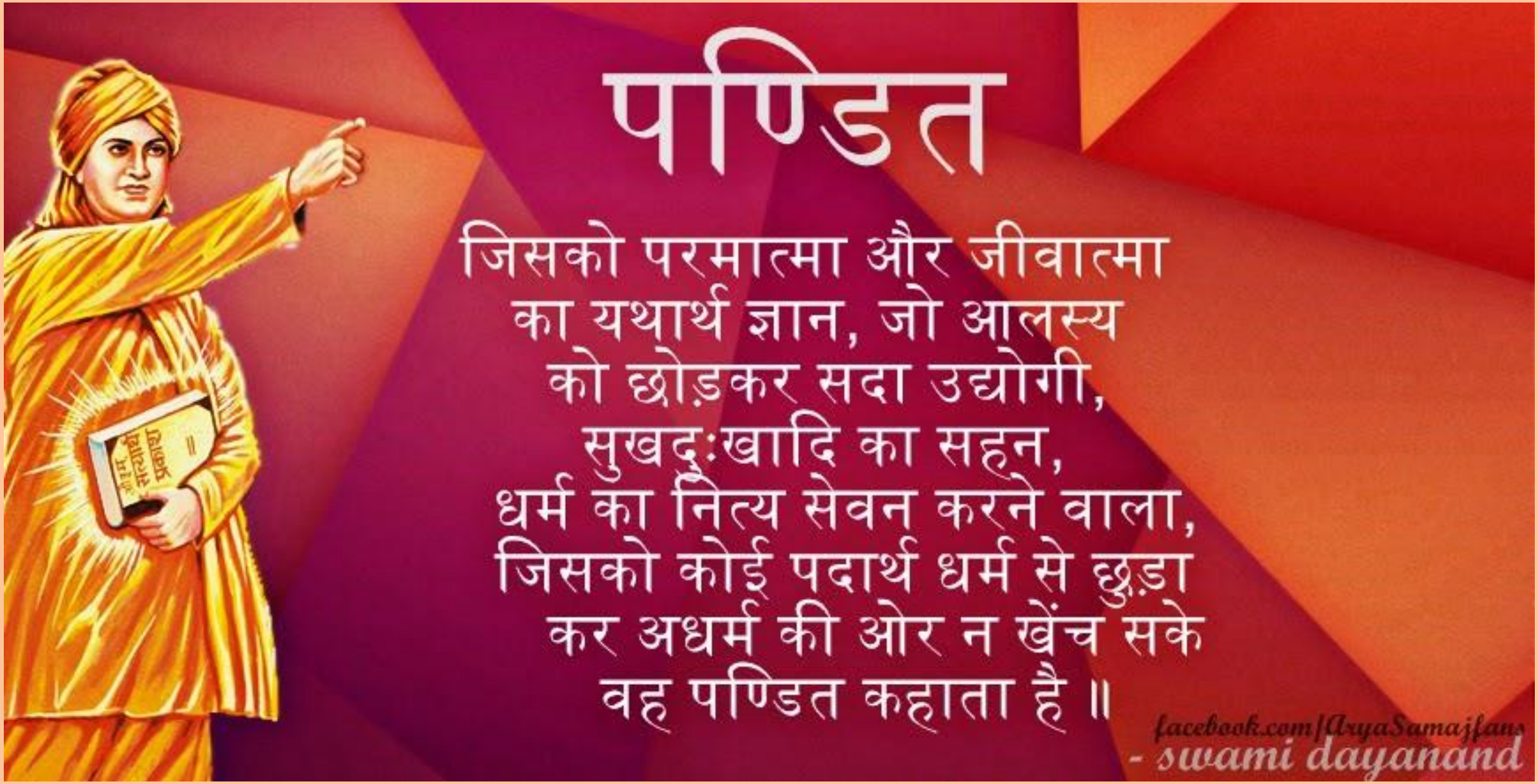
पण्डित
जिसको परमात्मा और जीवात्मा
का यथार्थ ज्ञान, जो आलस्य
को छोड़कर सदा उद्योगी,
सुखदुःखादि का सहन,
धर्म का नित्य सेवन करने वाला,
जिसको कोई पदार्थ धर्म से छुड़ा
कर अधर्म की ओर न खेंच सके
वह पण्डित कहाता है ॥
facebook.com/AryaSamajfans
- swami dayanand

Thank You

Arya Samaj Bangalore

ओ३म्

Arya Samaj Mandir
7, Chinmaya Mission Hospital Road, Indiranagar, Near Metro station, Binnamangala, Stage 1, Indiranagar, Bengaluru, Karnataka 560038, India

www.aryasamajbangalore.org
Email id : asmiblr@gmail.com
Ph : +91 80 2525 7756